आकाशवाणी केन्द्र शिमला
17.08.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1500बजे

मॉनसून सत्र

प्रदेश विधानसभा का मॉनसून सत्र कल से शिमला में शुरू हो रहा है। सदन की पहली बैठक कल दोपहर बाद 2 बजे शुरू होगी। ये सत्र दो सितम्बर तक चलेगा और इस दौरान सदन की कुल 12 बैठकें होंगी। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानिया ने बताया कि प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान पर व्यापक चर्चा के लिए ही इस बार मॉनसून सत्र में अधिक बैठकें रखी गई हैं। पठानिया ने कहा कि सत्र के सफल संचालन को लेकर उन्होंने कल सत्र से पहले दोपहर 12 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

आपदा नुकसान

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश की वजह से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारी बारिश से राज्य को अब तक 2 हजार 100 करोड़ रुपये से अधिक का नुक़सान हो चुका है। सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण और जल शक्ति विभाग को हुआ है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश में बादल फटने की घटनाएं ग्लोबल वार्मिंग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इस बारे में केंद्र सरकार को भी अवगत करवाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने संसाधनों से पहले भी आपदा प्रभावितों तक मदद पहुंचाई है विशेष तौर पर जिला मंडी के लिए 100 करोड़ रुपये का पैकेज जारी किया गया है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से प्रदेश को आर्थिक मदद का आग्रह किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री जी को जो मैंने आज से कोई एक महीना पहले जब उनसे मिला था मैंने उनसे कहा कि यह क्लाउडबस्टिंग हो रही है ग्लोबल वार्मिंग का असर है आप देखने की थोड़े समय बाद उत्तराखंड में भी होगा हमारे लिए रीजन में होता होगा मैं मुझे नहीं पता था उसके बाद उत्तराखंड में हुआ और पिछले दिनों किश्तवाड़ में हुआ तो मैं धन्यवाद भी करना चाहूंगा कि उन्होंने एक टीम साइंटिस्ट की भेजी जिसमें आईआईटी रुड़की के लोग थे एनवायरनमेंट लिस्ट द साइंटिस्ट थे इन सबको भेज कर उन्होंने एक स्टडी किया है और खुशी इस बात की इस दिशा में उन्होंने सूचना शुरू

मौसम

प्रदेश के कई भागों में मॉनसून की वर्षा का क्रम जारी है और पिछले 24 घण्टों में कांगड़ा, मण्डी, कुल्लू सिरमौर और कुछ अन्य ज़िलों में भारी वर्षा हुई है। मण्डी ज़िले के टकोली क्षेत्र में आज सुबह बादल फटने का समाचार है। पण्डोह बांध से अधिक पानी छोडे जाने के कारण ब्यास नदी का जल स्तर बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों से नदी–नालों के समपी न जाने की अपील की है। कुल्लू के दोहरा नाला में बादल फटने से मौहल खड्ड में बाढ़ आई गई और कुल्लू–भूंतर सड़क मार्ग भूस्खलन से यातायात के लिये बंद हो गया है। राज्य में भू–स्खलन से तीन राष्ट्रीय उच्च मार्गों सहित 3 सौ 64 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं। इसके अलावा 6 सौ 37 बिजली ट्रांसफार्मर और एक सौ 15 पेयजल योजनाएं भी बाधित हैं। प्रदेश में वर्षा से जुड़ी घटनाओं में अब तक 2 सौ 61 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 37 लोग लापता हैं। मौसम विभाग ने 19 अगस्त तक राज्य के अनेक भागों में वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है।

निर्वाचन आयोग – मतदाता सूची

भारत निर्वाचन आयोग ने कहा है कि मतदाता–सूची पूरी पारदर्शिता और कानून–कायदों का पालन कर तैयार की जाती है। आयोग ने कहा कि मतदाता–सूची तैयार करते समय हर चरण में राजनीतिक दलों को शामिल किया गया था। आयोग ने पिछले चुनावों की मतदाता सूचियों में कथित कमियों का मुद्दा उठाए जाने की आलोचना की। आयोग ने कहा कि मतदाता–सूची से जुड़ा कोई भी मुद्दा दावा और आपत्ति अवधि के दौरान उठाया गया होता, तो उनकी जांच की जा सकती थी।